

प्रेस विज्ञप्ति

भा.कृ.अनु.प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली का 61वां दीक्षांत समारोह

- भा.कृ.अनु.प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान देश की कृषि अनुसंधान और शिक्षा में उत्कृष्टता का प्रतीक रहा है। संस्थान ने न केवल कृषि अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार में प्रगति के लिए राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली को नेतृत्व प्रदान किया है बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मानव संसाधन विकास के लिए योगदान दिया है। संस्थान ने (i) अफगानिस्तान राष्ट्रीय कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एएनएएसटीयू), कंधार, अफगानिस्तान तथा (ii) उन्नत कृषि अनुसंधान और शिक्षा केंद्र (एसीएआरई), येजिन कृषि विश्वविद्यालय, म्यांमार की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली का 61वां दीक्षांत समारोह कल राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर (एनएएससी) के भारत रत्न श्री सी. सुब्रमण्यम हॉल में आयोजित किया जाएगा। भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी, दोनों कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी जी एवं सुश्री शोभा करंदलाजे जी भी इस कार्यक्रम के दौरान सम्मानित अतिथि होंगे। इस अवसर पर डेयर के सचिव एवं महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, भा.कृ.अनु.प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के कुलपति एवं निदेशक डॉ. ए. के. सिंह, अधिष्ठाता एवं संयुक्त निदेशक (शिक्षा) डॉ. अनुपमा सिंह, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान), डॉ. विश्वनाथन चिन्नुसामी तथा संयुक्त निदेशक (प्रसार) डॉ. रविन्द्र पडारिया भी उपस्थित रहेंगे।
- दीक्षांत समारोह के दौरान 402 छात्र-छात्राएँ डिग्रियाँ प्राप्त करेंगे, जिनमें भारत देश के अतिरिक्त अन्य देशों के छात्र-छात्राएँ भी शामिल हैं। इस अवसर पर छात्रों को मेरिट पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।
- पूसा संस्थान ने इस वर्ष स्नातकोत्तर के साथ स्नातक शिक्षण को शुरू करके अपने गौरवशाली अतीत में एक नया अध्याय जोड़ा है। नई शिक्षा नीति के तहत, आईएआरआई में 306 स्नातक छात्रों का पहला बैच और विभिन्न कार्यक्रमों को पूसा संस्थान जैसे अन्य समान्तर सहयोगी संस्थानों में शुरू करने में अहम भूमिका निभाई है। आईएआरआई नई दिल्ली, आईएआरआई झारखंड और आईएआरआई असम में छात्रों को B.Sc कृषि को प्रारम्भ किया है। आईएआरआई ने अपने सहयोगी संस्थानों के साथ मिलकर B.Tech (इंजीनियरिंग), बीटेक (जैव प्रौद्योगिकी), और B.Sc सामुदायिक विज्ञान (ऑनर्स) के लिए यूजी कार्यक्रम भी शुरू किए हैं।
- मुख्य अतिथि संस्थान के द्वारा विकसित धान, गेहूं, फल, मक्का, एवं सब्जियों की किस्में राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस वर्ष, सस्य फसलों में 16 किस्मों/संकरों का विकास किया गया। गेहूं में, एचडी 3406 और एचडी 3407 सहित 10 किस्में जारी की गईं, जो कि पत्ती, तना और स्ट्राइप रस्ट के लिए प्रतिरोधी हैं। इसके अलावा, एमएस के माध्यम से विकसित एचडी 3411 को

समय पर बुवाई वाली सिंचित स्थितियों के लिए जारी किया गया था। इसके अलावा, एचडी 3369, एचआई 1650 (पूसा ओजस्वी), एचआई 1653 (पूसा जाग्रति), एचआई 1654 (पूसा अदिति), एचआई 1655 (पूसा हर्ष), एचआई 8826 (पूसा पोष्टिक) और एचआई 8830 (पूसा कीर्ति) को विभिन्न कृषि-पारिस्थितिकी के लिए विकसित किया गया है। इस वर्ष के दौरान, IARI ने चावल की दो शाकनाशी सहिष्णु (इमेज़ेथापायर) किस्मों, पूसा बासमती 1979 और पूसा बासमती 1985, को विकसित किया गया। अंतर्निर्मित शाकनाशी सहिष्णुता के कारण, ये किस्में उत्तर-भारतीय मैदानी इलाकों में सीधी बुवाई धान की खेती के लिए उपयुक्त हैं। पूसा बासमती 1121, पूसा बासमती 1718, पूसा बासमती 6 और पूसा बासमती 1509 देश में बासमती चावल के 95% क्षेत्र पर आच्छादित है और वर्ष 2022-23 के दौरान इन किस्मों से 34,000 करोड़ रुपये निर्यात से अर्जित किये हैं।

- चने में, पूसा जेजी-16 - एमएस के माध्यम से विकसित एक सूखा सहिष्णु किस्म शुष्क क्षेत्रों के लिए जारी की गई है। इसके अलावा, पूसा सरसों-34 - कम इरूसिक अम्ल वाली एक उच्च उपज वाली किस्म भी जारी की गई है। इस वर्ष को 'अंतर्राष्ट्रीय श्रीअन्न वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है, इस सन्दर्भ में संस्थान का प्रमुख ध्यान पोषण सुरक्षा प्रदान करने के लिए बायोफोर्टिफाइड बाजरा की किस्मों के विकास पर है। चार बायोफोर्टिफाइड बाजरे की किस्में, पीपीएमआई 1280, पीपीएमआई 1281, पीपीएमआई 1283 और पीपीएमआई 1284 (उच्च लौह और जस्ता सांद्रता के साथ) विकसित की गईं।
- बागवानी फसलों में गुलाब की दो किस्में (पूसा लक्ष्मी और पूसा भार्गव); गेंदा (पूसा पर्व और पूसा उत्सव); ग्लैडियोलस (पूसा रजत); गुलदाउदी (पूसा लोहित) और बोगेनविलिया (पूसा आकांक्षा) की पहचान की गई।
- मुलायम बीज वाली अमरूद की दो किस्में पूसा आरुषि और पूसा प्रतीक्षा, क्रमशः लाल और सफेद गूदे के लिए, विकसित की गई हैं। इसके अलावा पपीते की पूसा पीत किस्म जारी की गई है जो गाइनोडाओसियस और अर्ध-बौनी है। उच्च उपज देने वाली सब्जियों की किस्मों में बैंगन की पूसा कृष्णा किस्म मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के लिए; और गाजर की पूसा प्रतीक राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, दिल्ली, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के लिए चिन्हित की गई है। इसके अलावा, एआईसीआरपी (वीसी) द्वारा टमाटर संकर टीओएलसीवी-6 की पहचान की गई है जिसकी उपज क्षमता 70 टन/हेक्टेयर और यह लीफ कर्ल वायरस प्रतिरोधी भी है। सीएमएस प्रणाली का उपयोग करते हुए लाल गोभी का एक संकर पूसा लाल गोभी संकर -1 विकसित किया गया है। इसी प्रकार फूलगोभी (पूसा स्नोबॉल संकर-2-) और शिमला मिर्च (पूसा कैप्सिकम-1) की भी एक-एक किस्म जारी और अधिसूचित की गई है।
- एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडल जिसमें फसल + डेयरी + मत्स्य + कुक्कुट पालन+ बत्तख पालन + मधुमक्खी पालन + सीमा वृक्षारोपण + बायोगैस इकाई + वर्मी-कम्पोस्ट शामिल हैं, द्वारा पारंपरिक धान-गेहूं प्रणाली की तुलना में उच्चतम उत्पादकता, तथा आय प्राप्त की गई। एकीकृत कृषि

प्रणाली मॉडल से रोजगार में वृद्धि के साथ-साथ प्रति वर्ष 4.2 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर का शुद्ध लाभ प्राप्त होता है।

- संस्थान ने शून्य बजट प्राकृतिक खेती (ZBNF) और जैविक खेती पर अध्ययन भी आरंभ किया है और इस तकनीक के अतिरिक्त सत्यापन हेतु दीर्घकालिक अध्ययन भी चल रहे हैं।
- पूसा डीकंपोजर की सूक्ष्मजीवी तकनीक धान के पुआल/ठूठों के प्रबंधन के लिए एक पर्यावरण अनुकूल समाधान है, जिसका लाइसेंस 24 निजी फर्मों को दिया गया है।
- रोगजनकों को ऑन-साइट पहचानने के लिए लीफ कर्ल वायरस और बकाने रोगजनक का पता लगाने के लिए डायग्नोस्टिक किट का विकास किया गया है।
- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की प्रौद्योगिकियों का प्रसार अपने आउटरीच विस्तार कार्यक्रम के तहत देश के विभिन्न स्थानों पर किया जाता है। इसके लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एकीकृत ग्राम विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के चयनित संस्थानों/राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और स्वैच्छिक संगठनों के साथ विभिन्न स्तरों पर काम किया जाता है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की सभी प्रदर्शित किस्मों ने सभी स्थानों पर स्थानीय किस्मों की तुलना में काफी अधिक उपज प्राप्त हुई।
- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा यू-ट्यूब पर शुरू किए गए कार्यक्रम 'पूसा समाचार' को किसानों द्वारा बहुत सराहना मिल रही है। इसके द्वारा किसानों और अन्य हितधारकों को नवीनतम तकनीकों और विभिन्न फसलों के लिए मौसम-वार परामर्श वीडियो-आधारित सामग्री के रूप में उपलब्ध कराया जाता है। पूसा समाचार के हिंदी, तेलुगु, कन्नड़, तमिल, बांग्ला और उड़िया भाषा में यू-ट्यूब चैनल के साथ-साथ व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से किसानों के बीच प्रसारित किया जाता है। प्रत्येक एपिसोड में विशिष्ट फसल संबंधित परामर्श, किसानों की सफलता की कहानी, पूसा व्हाट्सएप सलाह और मौसम संबंधी जानकारी का प्रसारण किया जाता है। साथ ही संस्थान द्वारा एक समर्पित पूसा व्हाट्सएप नंबर (9560297502) भी लॉन्च किया गया है, जिसमें वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के कृषि संबंधित प्रश्नों का तत्परता से जवाब दिया जाता है। इस समय भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान यू-ट्यूब चैनल के 30,000 सबस्क्राइबर हैं जिनकी कुल दर्शक तादाद 9 लाख से अधिक है।

Press Release

61st Convocation of ICAR-Indian Agricultural Research Institute, New Delhi

- ICAR-Indian Agricultural Research Institute has been the paragon of excellence in agricultural research and education in India. It has also provided leadership to the National Agricultural Research System for advancements in agricultural research, education and extension. IARI has also contributed for human resource development and has played a key role in the establishment of (i) Afghanistan National Agricultural Sciences and Technology

University (ANASTU), Kandahar, Afghanistan; and (ii) Advanced Centre for Agricultural Research and Education (ACARE), Yezin Agricultural University, Myanmar.

- The 61st convocation of IARI, New Delhi will be organized tomorrow in the Bharat Ratna Shri C Subramaniam Hall of NASC complex. The Honourable Vice President of India, Shri Jagdeep Dhankhar Ji, will be the chief guest of the convocation. Union Minister of Agriculture and Farmers Welfare, Shri Narendra Singh Tomar Ji, Honourable Minister of State, Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Sh. Kailash Chaudhary Ji and Km. Shobha Karandlaje Ji, Hon'ble Minister of State for Agriculture and Farmers Welfare will be the guest of Honour during the event. Dr. Himanshu Pathak, Secretary DARE and Director General, ICAR; Dr. A. K. Singh, Director; Dr. Anupama Singh, Dean and Joint Director (Education); Dr. Viswanathan Chinnusamy, Joint Director (Research); Dr. Rabindranath Padaria, Joint Director (Extension), ICAR-IARI will also grace the occasion. During the convocation, around 402 students will receive their degrees including foreign students from several countries. On this occasion, the merit medals will be presented to the PG students.
- IARI has added a new chapter to its glorious past by opening up its door to the undergraduate teaching. Under the New Education Policy, the first batch of 306 undergraduate students at IARI and outreach centres in various programs have been initiated. The students have been admitted to B.Sc. (Hons.) Agriculture at IARI New Delhi, IARI Jharkhand and IARI Assam. IARI also started UG programmes for the B.Tech. (Agril. Engineering), B. Tech (Biotechnology), and B.Sc. (Hons.) Community Science at IARI in collaboration with its sister institutes.
- During the convocation, the Chief Guest, Hon'ble Vice President of India will release different varieties of cereals, fruits and vegetables. This year, 16 varieties/hybrids in field crops were developed through integrated approach of conventional and genomics-assisted breeding. In wheat, 10 varieties were released including HD 3406 and HD 3407, which are MAS-derived varieties having resistance to leaf stem- and stripe- rusts. Besides, HD 3411 developed through MAS was released for timely sown irrigated conditions. Further, HD 3369, HI 1650 (Pusa Ojaswi), HI 1653 (Pusa Jagrati), HI 1654 (Pusa Aditi), HI 1655 (Pusa Harsha), HI 8826 (Pusa Poshtik) and HI 8830 (Pusa Kirti) have been developed for various agro-ecologies. During this year, IARI developed two herbicide (Imazethapyr) tolerant rice varieties i.e., Pusa Basmati 1979 and Pusa Basmati 1985. Due to the inbuilt herbicide tolerance, these varieties are suitable for DSR cultivation in North-Indian plains. Pusa Basmati 1121, Pusa Basmati 1718, Pusa Basmati 6 and Pusa Basmati 1509 occupied >95%

of the Basmati rice area in the country, and contributed Rs. 34,000 crores of foreign exchange during 2022-23.

- In chickpea, Pusa JG-16 - a drought tolerant variety developed through MAS was released for drylands. Further, Pusa Mustard-34 - a single zero high yielding variety with low erucic acid (0.79%) has also been released. In this 'International Year of Millets', institute's major focus is on the development of biofortified pearl millet cultivars for providing nutritional security. Four biofortified pearl millet lines viz., PPMI 1280, PPMI 1281, PPMI 1283 and PPMI 1284 (with high iron and zinc content) were developed.
- In Horticultural crops, two varieties of Rose (Pusa Lakshmi and Pusa Bhargava); Marigold (Pusa Parv and Pusa Utsav); Gladiolus (Pusa Rajat); Chrysanthemum (Pusa Lohit) and Bougainvillea (Pusa Akansha) were identified.
- Two soft-seeded Guava varieties, Pusa Aarushi and Pusa Pratiksha with red and white pulp, respectively have been developed. A gynodioecious, semi-dwarf papaya variety Pusa Peet has been released.
- High yielding vegetable varieties namely Pusa Krishna of brinjal for Madhya Pradesh and Maharashtra and Pusa Prateek of carrot for Rajasthan, Gujarat, Haryana, Delhi, Karnataka, Tamil Nadu, Kerala and Puducherry have been identified. Besides these, tomato hybrid ToLCV-6, resistant to Tomato Delhi Leaf Curl Virus with yield potential of 70 t/ha has been identified. A hybrid of red cabbage, Pusa Red Cabbage Hybrid-1, has been developed. Similarly, one variety each of cauliflower (Pusa Snowball Hybrid-2) and capsicum (Pusa Capsicum- 1) have been released.
- Integrated farming system model which includes Crop + Dairy + Fishery + Poultry + Duckery + Apiary + Boundary Plantation + Biogas unit + Vermi-compost resulted in high system productivity and profits as compared to the conventional rice-wheat system. From this system, in addition to significant employment generation, a net return of Rs. 4.2 lakh per hectare per annum is obtained.
- The Institute has initiated studies on Zero budget Natural Farming (ZBNF) and long-term studies are underway for further validation of this technology. The microbial technology of PUSA Decomposer, an environment-friendly solution for management of paddy straw/stubbles, has been licensed to 24 private firms.
- On-site diagnosis kit for the pathogen detection for Chilli leaf curl virus and *bakanae* disease were developed.
- IARI technologies are disseminated through its outreach extension programmes implemented at different locations of the country, using innovative approaches. All

demonstrated varieties of IARI resulted in significantly higher yield, in comparison to the local varieties at all the trial locations.

- Pusa Samachar, a weekly programme started by IARI on Youtube, to disseminate the IARI technologies has been receiving a lot of appreciation from the farmers, where-in the latest technologies and season-wise advisories are communicated to the farmers and other stakeholders, in Hindi and other regional languages like Telugu, Kannada, Tamil, Bangla and Oriya. A dedicated Pusa WhatsApp number (9560297502) has been launched for farmers' queries regarding their problems related to agriculture are invited and addressed promptly by the team of experts. At present, there are 30,000 subscribers of IARI YouTube Channel with total viewership of more than 9 lakhs.